

पाठ
पाठ 15

डाङ्कारेण सङ्गे परामर्श

महया : डाङ्कारबाबु, आमि कि आसते पारि?

डाङ्कारः आसुन। एखाने वसुन। बलुन कि ह्येछे?

महया : काल थेके आमार छेलेर ज्वर ह्येछे। ओ किछु थेते चाम्पछे ना। सब समय ओ केशेम्प याछे।

डाङ्कारः आच्छा तोमार नाम कि?

महया : राजु।

डाङ्कारः राजु एदिके एसो। एम्प बेण्डे वस। एकू मुख खोलो, आमि देखेछि। एखन तुमि एखाने शोओ। जोरे निश्वास नाओ। ठिक आछे, ठिक आछे। एखन उठे पड़।

महया : डाङ्कारबाबु, आमार छेलेर कि ह्येछे?

डाँक्टर से परामर्श

महुआ : डाँक्टर साहब, क्या मैं आ सकती हूँ?

डाँक्टर : आइए। यहाँ बैठिए। बोलिए क्या हुआ है?

महुआ : कल से मेरे लड़के को बुखार हो गया है। वह कुछ भी (खाना) नहीं खा रहा है। खाँसता ही रहता है।

डाँक्टर : अच्छा तुम्हारा नाम क्या है?

महुआ : राजू।

डाँक्टर : राजू, इधर आओ। इस बेंच पर बैठो। ज़रा मुँह खोलो। मैं देखता हूँ। ठीक है। अब तुम यहाँ लेट जाओ। लंबी साँस लो। ठीक है, ठीक है। अब उठ जाओ।

महुआ : डाँक्टर साहब, मेरे बेटे को क्या हुआ है?

डाक्टर: चिन्ता करबेन ना। ठांउ लेगे ज्वर ह्येछे? ऋतु परिवर्तनेर समय एरकम एकू ह्य। आमि ओषुध लिखे दिछि। एस्पेक्टिवली दिने दुवार देबेन। सकाल छाय एका आर सन्ध्या छाय एका। आर एस्पेक्टिवली रात्रे शोयार आगे दु चामच करे देबेन।

महया : राजू कि कि खेते पारबे?

डाक्टर: ओके एखन भत देबेन ना। शुधु दालियास्प देबेन। भजा, ऋाल तरकारी देबेन ना। आपेल वा कमलालेबु दिते पारबेन किन्तु कमलालेबु देबेन ना।

महया : डाक्टरबाबु, राजू भत ओ भजा छाड़ा किछुस्प खेते चास्पछे ना। कि करब?

डाक्टर: राजू तुमि तिन चारदिन दालियास्प खेयो। ज्वर छेडे गेले भत तरकारी खेते पारबे। मायेर कथा शनो। दुष्टुमि करो ना।

महया : डाक्टरबाबु, आपनार फिशा?

डाक्टर: दशका दिन। राजू केमन थाके

डाक्टर: चिन्ता की कोई बात नहीं है। ठंड लग जाने से बुखार हो गया है। ऋतु परिवर्तन के समय थोड़ा बहुत ऐसा हो जाता है। मैं दवाई लिख रहा हूँ। यह गोली दिन में दो बार देना है। एक सुबह छः बजे और एक शाम छः बजे। और यह सीरप रात में सोने के पहले दो चम्मच देना है।

महुआ : राजू क्या-क्या खा सकता है?

डाक्टर: इसे अभी चावल मत देना। केवल दलिया ही देना। तली, चटपटी और तीखी सब्जी मत देना। सेव और संतरे भी दे सकते हैं। लेकिन खट्टा मत देना।

महुआ : डाक्टर साहब, राजू चावल और तली सब्जी छोड़कर कुछ भी खाना नहीं चाहता। क्या करूँ?

डाक्टर: राजू, तुम तीन चार दिनों तक दलिया ही खाना। बुखार ठीक होने के बाद चावल और सब्जी खा सकते हो। माँ की बात मानना। शरारत मत करना।

महुआ : डाक्टर साहब, आप की फीस?

डाक्टर: दस रुपये दीजिए। राजू कैसा है, यह दो दिन बाद बताना।

তা দুদিন পর জানাবেন।

महुआ: अच्छा, में चलती हूँ।

महया : आच्छा, आसि।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
পরামর্শ	परामर्श
শোও	लेटो
परिवर्तन	परिवर्तन
ওষুধ	दवा
रुई	रोटी
कमलालेबु	संतरा
क	खट्टा
दुष्टमि	शरारत
कत	कितना
देव	दूँ
दश	दस
केमन	कैसा
बगल	तीखी

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. आपनारा एस्प बस्पा किनबेन ना। (आनबेन ना, देबेन ना)
2. तूमि स्पंर्रेजी लिखो ना। (पड़ेना, शिखो ना)

3. আপনি ফি. ভি. দেখবেন না। আনবেন না, কিনবেন না)
4. আপনি আজ কোথাও যাবেন না। (খাবেন না, ঘুরবেন না)
5. রোদে রোদে ঘুরো না। (দৌড়িও না, বেড়িও না)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আপনি আজ বিকেলে _____। (আসুন, আসেন)
2. আপনি এম্প গরমে বাষ্পরে _____। (বেরোবেন না, বেরোচ্ছেন না)
3. তুমি কোথাও এখন _____। (যেয়ো না, যায় না)
4. আপনারা এখন সকলে এক সঙ্গে _____। (খাবেন না, খান না)
5. তুমি কাল রমেশ কে চিঠি _____। (লেখ না, লিখো না)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(কেটো না, খাবে না, পড়বেন না, দাঁড়াবেন না, ঘুমিয়ো না)

1. আপনি এম্প বম্পা _____।
2. তুমি সাঁতার _____।
3. অফিসে সিগারে _____।
4. তুমি দুপুরে _____।
5. আমার জন্য বেশীক্ষণ _____।

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. বেশী গরম চা খাও।

2. वर्षाय बाष्परे बेरोओ।
3. आपनि एष्प भिड़ बासोय उठून।
4. तूमि काऊा एष्पुणि कर।
5. आपनारा एखन बाष्परे यान।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. आपनारा ठाणुय _____ ना।
2. रासुय आसुते आसुते _____ ना।
3. तूमि एत रात्रे कोथाओ _____ ना।
4. आपनारा बोर्डे _____ ना।
5. तोमरा देरी करे _____ ना।

VI. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों को विशेषण में बदलकर नये वाक्य बनाइए।

उदाहरण: अरुण खुब ভালो साँतार काटे।

अरुण खुब ভালो साँतारु।

1. पिंकिर आचार आचरण ग्रामेर लोकेर मत।
2. देवकी सादा रङेर फुल खुब पछन्द करे।
3. घोड़ा खुब द्रुत दौड़ोते पारे ।
4. श्यामली खुब ভালो गान करते पारे।
5. उनि पेशाय एकजन शिक्षक।

पढ़िए और समझिए

स्वास्थ्यम्प सम्पद

स्वास्थ्य ही संपत्ति है

भालो स्वास्थ्येर् जन्य भालो खाओया दरकार। कखनओ मने करबेन ना ये भालो खाओया मानेम्प दामी जिनिस् खाओया। प्रकृतिते प्रचुर उपकारी फल, शाकसज्जि पाओया याय। तार मध्ये किछु जिनिसेर दाम बेशि एवं कोनो जिनिसेर दाम कम ओ सहजलभ्य। येमन -- आपेल, लिचू बेश दामी फल। अपरपम्फे, कला, पेयारा, सफेदा स्पत्यादिर दाम आवार कम। ताम्प भाबेन ना ये आपेल वा लिचुम्प खेते हवे। अन्यान्य फलओलिओ स्वास्थ्येर् पम्फे उपयोगी ओ उपकारी। ताछाडा नानान सज्जिओ पाओया याय। येमन -- बाँधाकपि, पालंशाक, नटे शाक, कलमी शाक, कचुशाक स्पत्यादि। एओलिओ यथेष्टे उपयोगी एवं दामओ कम।

शरीर सुस्व ओ स्वाभाविक राखते हले नियमित शरीरेर पम्फे उपयोगी खावार खाओया प्रयोजन एवं व्यायामेओ प्रयोजन। तवे व्यायाम माने आधुनिक जिमे याओया नय। आपनि यन्नपाति दिये स्वास्थ्य ठिक राखार चेष्टा करबेन ना। सकाल ओ सन्केबेलाय कोनो मुक्त निर्मल परिवेशे हीँर अत्थेस करुन। नियमित योग व्यायाम द्वारा शरीर सुस्व राखार चेष्टा करुन।

आपनि अपर्याप्त मिष्टि, भाजाभुज्जि, घि, माखन स्पत्यादि बेशी खाबेन ना। एछाडा आमिष खावार -- डिम, माछ, मांस स्पत्यादि सस्वन्केओ आजकाल नाना बिरूप मन्तव्य शोना याछे। बेशि आमिष खावारओ खाओया उचिं नय, ताम्प बेशि आमिष खाबेन ना। मादक द्रव्य, मद्यपानओ करबेन ना, ताते शरीर खाराप हते पारे।

प्रचुर सज्जि ओ जल खान। आपनि यदि एम्पभावे नियम मेने चलन तवे सुलभे सुस्वास्थ्य लाभ करबेन।

शब्दार्थ

शब्द

अर्थ

स्वास्थ्य	स्वास्थ्य
प्रचुर	प्रचुर, बहुत
उपकारी	उपकारी
सहजलब्ध	उपलब्ध
उपयोगी	उपयोगी
कटु	अरवी, जमीकंद
यथेष्ट	यथेष्ट, पर्याप्त
नट	चौलाई
स्वाभाविक	स्वाभाविक
नियमित	नियमित
प्रयोजन	आवश्यकता
व्यायाम	व्यायाम
आधुनिक	आधुनिक
यत्नपाति	यंत्र, मशीन
चेष्टा	कोशिश, प्रयत्न
निर्मल	निर्मल
अभ्येस	आदत
अपर्याप्त	अपर्याप्त
ताजाभुजि	तली हुई
सम्बन्ध	के संबंध, के बारे में
विरोध	विरोध, एतराज
आमिष	आमिष
	मादक द्रव्य

मादकद्रव्य	मद्यपान
मद्यपान	सुलभ में
सुलभे	सुस्वास्थ्य
सुस्वास्थ्य	

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ভালো স্বাস্থ্যের জন্য কি প্রয়োজন?
2. কোন্ বস্তুগুলির দাম কম অথচ উপকারী?
3. অপরিমাণ পরিমাণ কি খাওয়া উচিত নয়?
4. কি গ্রহণ করলে শরীর খারাপ হবে?
5. কখন কোথায় হাঁটা উচিত?

I. नीचे दिए गए वाक्यों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. দামী বস্তুকে যত্ন করে রাখতে হবে।
2. প্রিয়ব্রতবাবু নিরামিষ খাবার খান।
3. জীবনের খারাপ অভ্যেসগুলি ত্যাগ করুন।
4. অপ্রয়োজনীয় কথা বল না।
5. খুব কম খাওয়া স্বাস্থ্যের পক্ষে অনুপযুক্ত।
6. সুবল খুব ভালো ছেলে।
7. বেশী রাত জেগে পড়া উচিত নয়।
8. কোলকাতা শহরে খাবার খুব সস্তা।
9. আমিষ খাবারেরও যথেষ্ট উপকারিতা আছে।

10. बेँचे थलकर जन्य सुस्व ऒ सुन्दर परलबेश खुब प्रयोऑनीय।

II. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

प्रतुके मलनुषेर शरीरेर प्रति नऑर देओयल उऑलं। एमन कुनू कलऑ करल उऑलं नय यलते तुमलर शरीरेर कुनू ःऑतल हय। येमन -- सकलले देरल करे उऑठबे नल, सकलले उऑठेसुप हूँते यलबे। तरपर फलरे एसे वुललम करबे तबे वुललम करलर समय ऑल खलबे नल। तलते हलते वलपरूत हबे। तरपरसुप वलशुरलम नलये कलऑ ऑलखलवलर खेये दलनेर कलऑ शुरु करे देबे। कलऑ ऑलखलवलरे तलऑलतुऑल वल मशललदलर खलवलर खलबे नल। दुपुुरबेलयुओ सुलसुवेर पःऑे उऑकलरूी, सुलदु खलवलर तललूतलबे खलबे। ऑलखलवलर उ दुपुुरेर खलुओयलर मधे वेशल समयेर पलरुऑकल रलखबे नल। दुपुुरेर खलवलरु कखनू अऑरुलकु खलबे नल एवंग अतुतु मशललदलर खलवलर खलबे नल। वलकललेु ऑ वल कफल खेले कलऑ ःऑतल हबे नल कलऑ सलधलरणतलबे कुनू नेशलर वतुु ऑुरहण नल करलसुप तललू। कुनू प्रकलर मलदक दुवल, मदुपलन सुपतुलदल ऑुरहण करू नल। मलदक दुवल, मदुपलन शरीरेर पःऑे अतुतु ःऑतलकलरक। सरलदलन प्रऑुुर ऑल खलबे एवंग नललमलत वुललम शरीरेर पःऑे खुब तललू। रलतेु कुनू कलऑ हलनुकल खलवलर खेये एकू हूँबे एवंग रलते शुते देरल करबे नल। एसुप सकल नललम ठलक मत पललन करू, तबेसुप सुस्व थलकबे।

II. बंगलल में अनुवाद कीजिए।

कमलल : डूँ. सलहब यह मेरूी बेतूी मललू है। इसे कल से दलँतुँ में दर्द है। दर्द के कलरण आऑ यह सुकुल भी नहूँी ऑई।

डूँकटर : बेतूी, तुम वहाँ मत खडूी रहू। यहाँ स्टूल पर बैतू। मैं तुम्हलरे दलँतुँ की ऑलँक करतल हूँ। (मललू स्टूल पर बैतूतूी है। डूँकटर ऑलँक करते हूँ।)

डूँकटर : कुलल यह मलतलई ऑुलदल खलतूी है? इसे अधलक मलतलई मत दीऑलए।

कमलल : ऑर में तू मलतलई बहुत कड आतूी है। हँ, ऑलकलेऑ कभी-कभी लल देते हूँ।

- डॉक्टर : क्या आप इसे जेब-खर्च देती हैं?
- कमला : हाँ, कभी कभी देती हूँ।
- डॉक्टर : इतने छोटे बच्चों को अधिक जेब-खर्च मत दीजिए। बेटी, क्या तुम स्कूल में लड़कियों के साथ यह चाकलेट कभी भी खाती हो?
- मिली : डॉक्टर अंकल, रोज़ तो नहीं, कभी कभी खाती हूँ।
- डॉक्टर : अधिक चाकलेट मत खाना। क्या तुम चाकलेट खाने के बाद कुल्चा करती हो?
- मिली : हाँ डॉक्टर अंकल, घर में करती हूँ। लेकिन स्कूल में तो नहीं।
- कमला : डॉ. साहब, मैं इसे रोज़ ब्रश करने की याद दिलाती हूँ। हो सकता है, कभी न कर पाती है।
- डॉक्टर : खाने के बाद तो हर बार ब्रश करना बहुत ज़रूरी है। रात को सोने से पहले ब्रश करना मत भूलना। दाँतों की देखभाल बहुत ज़रूरी है।
- मैं यह दवाई दे रहा हूँ। इसे चार-चार घंटे बाद एक-एक गोली दीजिए। यह दाँतों पर लगाने की दवाई है। रुई में भिगोकर इसे दाँतों पर लगाएँ। दो दिन बाद उसे फिर दिखाना मत भूलना।
- कमला : जी डॉ. साहब! यह लीजिए आपकी फीस।
- डॉक्टर : धन्यवाद।
- कमला : अच्छा नमस्कार!

III. अपने बीमार मित्र का हालचाल जानने के लिए 'छोटा संवाद' बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में आज्ञावाचक वर्तमान के निषेधात्मक रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। आज्ञावाचक वर्तमान रूपों के निषेधात्मक वाक्य भविष्य निषेधात्मक आज्ञावाचक के समान होते हैं। जैसे :

आपनि बलून।	आपनि बलबेन ना।
आप बोलिए।	आप मत बोलिए।
तूमि लोओ।	तूमि लोओ ना।
तुम लेटो।	तुम मत लेटो।

तुम्प थल।
तू खल।

तुम्प थलस नल।
तू मत खल।

